एचपीआरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली शिक्षक (संस्कृत) परीक्षा का पाठ्यक्रम

1.आवश्यक योग्यता के अनुसार विषय:-

i. व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी अनुसार) :

- **संज्ञा प्रकरण** –प्रत्याहारसूत्र, उच्चारणस्थान, आभ्यन्तरप्रयत्न, बाह्यप्रयत्न, सूत्र व्याख्यासहित;
- **सन्धि प्रकरण**–अच् सन्धि, हल् सन्धि, विसर्ग सन्धि, सूत्रव्याख्यासहित
- **शब्दलिङ्ग प्रकरण** – अजन्त पुल्लिङ्ग ,अजन्त स्त्रीलिङ्ग ,अजन्त नपुंसकलिङ्ग , सूत्रव्याख्यासहित
- **धातुरूप**–परस्मैपद, आत्मनेपद लकार–लट्, लृट्, लङ्, लोट्, विधिलिङ्
- **कारकप्रकरण**–कर्ताकारक, कर्मकारक, करणकारक, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सूत्रव्याख्यासहित
- **समास प्रकरण** –पूर्वपदप्रधान समास ,उत्तरपदप्रधान समास ,उभयपदप्रधान समास, अन्य पद प्रधान समास
- **प्रत्ययप्रकरण**–कृदन्त (कृत्, कत्वा, तुमुन्, शतृ, शानच्, क्त, क्तवतु), तद्धित (तल्, मतुप्, इन्, ठक्) ,स्त्रीप्रत्यय (टाप्, ङीप्, ङीष्, ऊरू तथा अन्यप्रत्यय)

ii.साहित्यशास्त्र :

- **रामायण और महाभारत का परिचय;**
- **रघुवंश** (प्रथम सर्ग, द्वितीय सर्ग) ;
- नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) ;
- मेघदूत;
- उत्तररामचरितम्;
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से चतुर्थ अंक तक)
- श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय 2, 3, 14, 17)
- कादम्बरी (कथामुख)
- दशकुमारचरितम् (सप्तम उच्छ्वास, अष्टम उच्छ्वास)
- पञ्चतन्त्र
- हितोपदेश

- **काव्यप्रकाश तथा साहित्यदर्पण:** काव्य प्रयोजन , काव्य लक्षण , काव्य हेतु , काव्य भेद, गुणनिरूपण
  रसप्रकरण, रसदोष, रीतिनिरूपण, शब्दशक्ति: (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), रसनिष्पत्ति
- **वृतरत्नाकर**: **छन्द**-अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम; **अलंकार** - अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, समासोक्ति, सन्देह, विभावना, दृष्टान्त, स्वभावोक्ति

iii. **भाषा विज्ञान :** भाषा और वाक , भाषा की उत्पत्ति और कार्य , स्वन विज्ञान , दीर्घता, बलाघात, स्वन, सस्वन, स्वनिम विश्लेषण के सिद्धान्त , वाक्य विन्यास के घटक , पदक्रम, अर्थ परिवर्तन के कारण

iv. **दर्शनशास्त्र :**

- **कणादगौतमीयम:** सप्तपदार्थ, नवद्रव्य, गुणनिरूपण, कर्म
  सिद्धान्त, समवाय, विशेष, अभाव
- **वेदान्त सार** : पंचप्राण, पंचकोश, अनुबन्ध-चतुष्टय, सृष्टि प्रक्रिया , अविद्या, माया, जीव, ईश्वर
- **सांख्यकारिका**: सत्कार्यवाद, सृष्टि प्रक्रिया , पुरुष स्वरूप , दुख निरूपण , आत्मा, विकारी-अविकारी तत्व
- **तर्कभाषा**: षोडशपदार्थ, त्रिविध शास्त्रप्रवृत्ति, लक्षण निरूपण, प्रमाण, प्रमेय, करण, कारण, अनुमान विवेचन, लिङ्ग परामर्श, पंचावयव, हेत्वाभास

v. **वैदिक साहित्य:**

- **ऋग्वेद: अग्नि सूक्त (मण्डल 1 की सूक्त संख्या 1), सूर्य सूक्त (मण्डल 1 की सूक्त संख्या 115), विष्णुसूक्त (मण्डल 1 की सूक्त संख्या 154), इन्द्र सूक्त (मण्डल 2 की सूक्त संख्या 12), उषस सूक्त (मण्डल 3 की सूक्त संख्या 61), पर्जन्य सूक्त (मण्डल 5 की सूक्त संख्या 83) पुरुष सूक्त (मण्डल 10 की सूक्त संख्या 90), हिरण्यगर्भसूक्त (मण्डल 10 की सूक्त संख्या 121)**
- **अथर्ववेद**: पृथिवीसूक्त
- **ईशोपनिषद;**
- **मुण्डकोपनिषद;**
- **निरुक्त: षड भावविकार, मन्त्रा:सार्थका:निर्थरका:वा**
- **निघण्टु: निर्वचनानि**

vi. **धर्मशास्त्र :**

- **मनुस्मृति:** षोडश संस्कार , शौच निरूपण
- **याज्ञवल्क्य स्मृति:** आचार अध्याय, व्यवहार अध्याय
- **पराशर स्मृति:** प्रायश्चित अध्याय
- **कौटिल्य अर्थशास्त्र:** प्रथम अधिकरण, द्वितीय अधिकरण

2. एक वर्षीय बी.एड. के विषय

- शिक्षण विधियाँ और दृष्टिकोण (व्याकरण अनुवाद विधि , प्रत्यक्ष विधि , संवादात्मक विधि)।
- गद्य, पद्य और नाटक का शिक्षण।
- व्याकरण और शब्दावली का शिक्षण।
- सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के कौशलों का शिक्षण।
- पाठ योजना।
- आकलन और मूल्यांकन।
- संस्कृत शिक्षण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग।

3. **GENERAL AWARENESS**

(a) General knowledge: General Knowledge including General knowledge of Himachal Pradesh.
(b) Current Affairs .
(c) Everyday Science .
(d) Logical Reasoning .
(e) Social Science (10^{th} standard).
(f) General English (10^{th} standard).
(g) General Hindi (10^{th} standard).

HPRCA